राउरकेला में इस्पात का उत्पादन

१६९. **श्री लखमू भवानी** : क्या **इस्पात और भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे की :

(क) राउरकेला में इस्पात का उत्पादन बढ़ाने की नई योजनाओं का ब्योरा क्या है ;

(ख) इन योजनाओं को कब से क्रियान्वित किया जायेगा ; और

(ग) इन योजनाओं को क्रियान्वित करने पर उत्पादन में कितने प्रतिशत वृद्धि होने की संभावना है ?

इस्पात और भारी उद्योग मंत्री (श्री चि० सुब्रमण्यम) : (क) से (ग). राउरकेला इस्पात संयंत्र का इस्पात पिण्डों का वर्तमान उत्पादन एक मिलियन टन प्रतिवर्ष की निर्णीत क्षमता का लगभग ७५ प्रतिशत है । अनुरक्षण और परिचालन में सुधार करने के उद्देश्य से जिससे निर्णीत क्षमता यथाशीघ्र प्राप्त की जा सके, हिन्दुस्तानी स्टील लि० फालतू पुर्जों का पर्याप्त स्टाक तथा कुछ अतिरिक्त उपकरण रेल-इंजन और रेल के डिब्बे प्राप्त कर रहा है । संयंत्र के परिचालन और अनुरक्षण के लिये वह लगभग ५० अतिरिक्त विदेशी टकनीशनों की सेवायें भी प्राप्त कर रहा हूं । यह संभावना है कि अगले वर्ष के मध्य तक राउरकेला अपनी पूर्ण उत्पादन क्षमता प्राप्त कर लेगा ।

तीसरी पंच वर्षीय योजना की अवधि में इस्पात पिण्डों की क्षमता का १ मि० टन प्रति वर्ष से बढ़ा कर १.८ मि० टन प्रतिवर्ष तक करने का विचार है । विस्तार के तीसरी योजना के अन्त तक पूरे होने की संभावना है । इससे इस्पात पिण्डों के उत्पादन में ८० प्रतिशत की वृद्धि होगी ।

लद्दाख में खनिज पदार्थों की खोज

१७०. **श्री लखमू भवानी** : क्या **खान और ईंधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि लद्दाख क्षेत्र में खनिज पदार्थों की खोज की जा रही है; और

(ख) किन खनिजों के प्राप्त होने की संभावना है ?

खान और ईंधन मंत्रालय में उपमंत्री (श्री हजरनवीस) : (क) जी, हां ।

(ख) जनहित के लिये यह सूचना बताना ठीक नहीं है ।

पाठ्य पुस्तकों का राष्ट्रीयकरण

१७१. **श्री लखमू भवानी** : क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि शिक्षा समन्वय समिति ने महत्वपूर्ण पाठ्य-पुस्तकों के राष्ट्रीयकरण का सुझाव दिया है;

(ख) यदि हां, तो ऐसी कितनी पुस्तकें हैं;

(ग) किस भाषा में हैं; और

(घ) पुस्तकों का विषय क्या है ?

शिक्षा मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली): (क) सरकार को शिक्षा समन्वय समिति के अस्तित्व की कोई जानकारी नहीं है ।

(ख) से (घ). तक प्रश्न नहीं उठते ।

हिन्दी में उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृतियां

१७२. **श्री लखमू भवानी** : क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अहिन्दी भाषा भाषी राज्यों के उन छात्रों के लिये, जो हिन्दी में उच्च शिक्षा प्राप्त करें, उन के मंत्रालय ने छात्रवृत्तियां घोषित की हैं;